NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH



aglasem.com

Class : 8th

Subject : Social Science

Chapter : 8

Chapter Name : महिलाएँ, जाति एवं सुधार

Q1 निम्नलिखित लोगों ने किन सामाजिक विचारों का समर्थन और प्रसार किया :

राममोहन रॉय

दयानंद सरस्वती

वीरेशलिंगम पंतुलु

ज्योतिराव फुले

पंडिता रमाबाई

पेरियार

मुमताज अली

ईश्वरचंद्र विद्यासागर

Answer .राममोहन रॉय - ब्रम्हो सभा नाम का एक सुधारवादी संगठन बनाया जिसे बाद में ब्रम्हो समाज के नाम से जाना गया | सती प्रथा का विरोध किया |

दयानंद सरस्वती - आर्य समाज की स्थापना और विधवा विवाह के समर्थक|

वीरेशलिंगम पंतुलु - विधवा विवाह के समर्थक|

ज्योतिराव फुले - सत्यशोधक समाज नामक संगठन की स्थापना, जातीय समानता के समर्थक |

पंडिता रमाबाई - महान विद्वान, पूना में विधवागृह की स्थापना |

पेरियार - हिंदू वेद पुराणों के कट्टर आलोचक|

aglasem.com

मुमताज अली - मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा के समर्थक |

ईश्वरचंद्र विद्यासागर - महिलाओं के लिए स्कूल खोले |

Page : 108, Block Name : फिर से याद करें

Q2 निम्नलिखित में से सही या गलत बताएँ :

(क) जब अंग्रेज़ो ने बंगाल पर क़ब्ज़ा किया तो उन्होंने विवाह, गोद लेने, संपत्ति उत्तराधिकार आदि के बारे में नए कानून बना दिए |

(ख) समाज सुधारकों को सामाजिक तौर-तरीकों में सुधार के लिए प्राचीन ग्रंथों से दूर रहना पड़ता था |

(ग) सुधारकों को देश के सभी लोगों का पूरा समर्थन मिलता था |

(घ) बाल विवाह निषेध अधिनियम 1829 में पारित किया गया था |

Answer.(क) सही

(ख) गलत

(ग) गलत

(घ) सही

aglasem.com

Page : 108, Block Name : फिर से याद करें

Q3 प्राचीन ग्रंथों के ज्ञान से सुधारकों को नए कानून बनवाने में किस तरह मदद मिली?

Answer.सुधारकों का मानना था कि समाज में परिवर्तन आवश्यक थे। उन्होंने सोचा कि इस तरह के बदलाव सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा तरीका लोगों को पुरानी प्रथाओं को छोड़ने और जीवन के एक नए तरीके को अपनाने के लिए राजी करना था। जब भी वे ऐसी प्रथाओं को चुनौती देते थे, तब प्राचीन पवित्र ग्रंथों में एक श्लोक या एक वाक्य खोजने की कोशिश करते थे जिसने उनकी बात का समर्थन किया। उदाहरण के लिए, राममोहन राय ने प्राचीन ग्रंथों का उपयोग यह दिखाने के लिए किया था कि सती या विधवा जलने

की प्रथा को कोई मंजूरी नहीं थी। इसी तरह, ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने प्राचीन ग्रंथों का उपयोग करके सुझाव दिया था कि विधवाओं का पुनर्विवाह हो सकता है।

Page : 108, Block Name : फिर से याद करें

Q4 लड़कियों को स्कूल न भेजने के पीछे लोगों के पास कौन-कौन से कारण होते थे?

Answer. देश के बहुत सारे भाग में लोगों का मानना था कि पढ़ी-लिखी औरत जल्दी विधवा हो जाएगी | लोगों को डर था कि स्कूल वाले लड़कियों को घर से बाहर ले जायेंगे और फिर उन्हें घरेलू कामकाज नहीं करने देंगे | बहुत सारे लोगों को लगता था कि सार्वजानिक स्थानों पर जाने से लड़कियाँ बिगड़ जाएगी | स्कूल जाने के लिए लड़कियों को सार्वजानिक स्थानों से होकर जाना पड़ता था |

Page : 108, Block Name : फिर से याद करें

Q5 ईसाई प्रचारकों की बहुत सारे लोग क्यों आलोचना करते थे? क्या कुछ लोगों ने उनका समर्थन भी किया होगा? यदि हां तो किस कारण?

Answer. ईसाई प्रचारकों ने आदिवासी समुदाय और निचली जाति के बच्चों के लिए स्कूल खोले | ये लोग जाती आधारित समाज व्यवस्था में होने वाले अन्याय के विरुद्ध थे | कुछ लोग इनके समर्थक थे | बहुत से लोग इनकी आलोचना भी करते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि ये लोग निचली जाति के लोगों को उच्च जाति के बराबर दर्जा दे रहे है |

Page : 108 , Block Name : फिर से याद करें

Q6 अंग्रेज़ो के काल में ऐसे लोगों के लिए कौन से नए अवसर पैदा हुए जो "निम्न" मानी जाने वाली जातियों से सम्बंधित थे?

Answer.अंग्रेज़ो के काल में ईसाई प्रचारकों ने आदिवासी समुदाय और निचली जाति के बच्चों के लिए स्कूल खोले | इससे बच्चों को बदलती दुनिया में अपना रास्ता ढूँढने के नए अवसर मिलने लगे | कारखानों और नगरपालिकाओं में नई नौकरियाँ निकल रही थी, मजदूरी की माँग पैदा हो रही थी | लोग असम, मॉरीशस,

त्रिनीदाद और इंडोनेशिया जैसी जगहों पर बागानों में काम करने चले गए |निचली जाति के लोगों को यह गाँवो में सवर्ण जमींदारों द्वारा उनके जीवन पर दमनकारी कब्ज़ा और दैनिक अपमान से छूट का मौका लगा |

Page: 108 , Block Name : फिर से याद करें

Q7 ज्योतिराव और अन्य सुधारकों ने समाज में जातीय असमानताओं की आलोचनाओं को किस तरह सही ठहराया?

Answer. ज्योतिराव फुले का कहना था कि आर्य विदेशी थे और उन्होंने इस मिट्टी के असली वारिसों को हराकर उन्हें गुलाम बना लिया था |हारी हुई जनता को वे निम्न जाति का समझने लगे थे |उनके अनुसार इस देश की धरती निम्न जाति के लोगों की ही है |जाति सुधार का यह आंदोलन बीसवीं सदी में भी चलता रहा |पेरियार ने भी सत्ता पर ब्राह्मणवादी दावे को चुनौती दी |

Page : 108 , Block Name : फिर से याद करें

Q8 फुले ने अपनी पुस्तक गुलामगिरी को गुलामों की आजादी के लिए चल रहे अमेरिकी आंदोलन को समर्पित क्यों किया?

Answer.1873 में फुले ने गुलामगीरी पुस्तक लिखी |अमरीका में उसके दस वर्ष पहले गृह युद्ध हुआ था जिसके फलस्वरूप वहाँ दास प्रथा खत्म हो गयी थी |फुले ने अपनी पुस्तक उन अमरीकी लोगों को समर्पित की जिन्होंने गुलामों को मुक्ति दिलाने के लिए संगर्ष किया था | उन्होंने भारत की निम्न जातियों और अमरीका के काले गुलामों की दुर्दशा को एक-दूसरे से जोड़ दिया था |

Page : 108 , Block Name : फिर से याद करें

Q9 मंदिर प्रवेश आंदोलन के ज़रिए अम्बेडकर क्या हासिल करना चाहते थे?

Answer. 1927 में अंबेडकर ने मंदिर प्रवेश आंदोलन शुरू किया था |वह पूरे देश को दिखाना चाहते थे कि समाज में जातीय पूर्वाग्रहों की जकड़ कितनी मजबूत है |

Page : 108, Block Name : फिर से याद करें

Q10 ज्योतिराव फुले और रामास्वामी नायकर राष्ट्रीय आंदोलन की आलोचना क्यों करते थे? क्या उनकी आलोचना से राष्ट्रीय संघर्ष में किसी तरह की मदद मिली?

Answer. ज्योतिराव फुले और रामास्वामी नायकर राष्ट्रीय आंदोलन की आलोचना इसलिए करते थे क्योंकि राष्ट्रवादी लोग भी जातिगत भेदभाव करते थे | उनका मानना था कि निम्न जाति के लोगों को अपने स्वाभिमान के लिए खुद लड़ना होगा | उनकी दलीलें लोगों को रास नहीं आई | निम्न जातीय नेताओं के भाषण, विचारपूर्ण लेखन और आंदोलनों से उच्च जातीय राष्ट्रवादी नेताओं के बीच कुछ आत्ममंथन और आत्मालोचना की प्रक्रिया शुरू हुई |

Page : 108 , Block Name : फिर से याद करें

aglasem.com